Publication: Business Standard Hindi

Headline: Bhav chadhne ke baad bhi sone par dao

Edition: Pan India

Date: 25th September 2011

Coverage

एन सुंदरेश सुब्रमण्यन और मेहुल शाह
मुंबई, 25 सितंबर

सोने के बढ़ते दामों का इसकी मांग पर जरा भी असर नह पड़ रहा है। सोने के दाम बढ़ने के साथ ही इसकी मां भी जोर पकड़ रही है। जरा इस पर गौर फरमाइए कि भारती डाक विभाग ने अगले दो महीने में करीब 1 टन सोने के सिक्के बेचने का लक्ष्य रखा है।

पिछले साल भारतीय डाक विभाग ने करीब आधा टन सो के सिक्के बेचे थे। देश भर में मौजूद 700 से भी ज्यादा डाकघ में इस साल सोने के सिक्के बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। वि वर्ष 2009-10 में देश भर के 500 डाकघरों से करीब 25,00 निवेशकों ने सोने के सिक्के खरीदे थे। लेकिन इस साल अभी तक करीब 40,000 निवेशक सोने के सिक्के खरीद चुके हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के प्रबंध निदेशक अज मित्रा ने बताया, 'सोने का भाव लगातार बढ़ रहा है और ग्राहक को इसके भाव में और भी तेजी आने की उम्मीद है। हमें उम्मी है कि यह त्योहारी मौसम हमारे लिए बेहद सफल रहेगा। डब्ल्यूजीसी 1 अक्टूबर से देश भर में इसकी बिक्री को बढ़ाव देने के लिए अभियान शुरू कर रही है।

सोने के सिक्कों की बिक्री शुरू करने वाले भारतीय डाक विभाग ने भी इस त्योहारी मौसम के लिए अपनी कमर कस ली है। मित्रा ने बताया, 'भारतीय डाक विभाग ने इस साल 200 नए आउटलेट शुरू किए हैं।' पिछले एक दशक में भारतीय खुदरा निवेशकों के लिए सोना सबसे बेहतर निवेश का जरिया रहा है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 1.1 लाख करोड़ डॉलर मूल्य का 18,000 टन से भी ज्यादा सोना है, जो दुनिया भर में मौजूद सोने का 11 फीसदी है। जबकि शेयर बाजार का पूंजीकरण 1.2 लाख करोड़ डॉलर है।

चढ़ते तेवर

- भारतीय डाक विभाग ने अगले दो महीने में 1 टन सोने के सिक्कों की बिक्री का लक्ष्य रखा
- भारतीयों के पास करीब 1 करोड़ डॉलर मूल्य का 18,000 टन से भी ज्यादा सोना है

जेपी मॉर्गन के प्रमुख (इक्विटी शोध भारत) भरत अय्यर कहते हैं, 'कितने भी मुश्किल हालात रहे हों लेकिन भारतीय खुदरा निवेशकों ने सोने में खासा निवेश किया है, जो पिछले दो से तीन साल में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली संपत्ति रहा है। भारतीय हमेशा से ही सोने को तवज्जो देते रहे हैं और सोना भी उनके लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ है।' उन्होंने बताया, 'भले ही सोना उन्हें तुरंत मुनाफा नहीं दे लेकिन निवेशक इसमें निवेश करते हैं क्योंकि इसमें जोखिम की संभावना कम है। मुझे नहीं लगता कि यहां सोने के प्रति यह लगाव कम होगा या फिर इसमें कमी आएगी।'

ग्राहकों द्वारा सोने की खपत बढ़ने के साथ ही उन्हें इसे सुरक्षित रखने की चिंता भी सताने लगी है। वैश्विक स्तर पर सोने को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए वॉल्ट्स तेजी से भर रहे हैं। करीब 7.4 एकड़ में फैले सिंगापुर फ्री पोर्ट के स्विस प्रेशियस मेटल्स बुलियन वॉल्ट की मांग इस साल काफी बढ़ी है। कुछ रिपोर्ट पर यकीन करें, तो निवेशक सोने को सुरक्षित रखने के लिए उसकी कीमत का 1 फीसदी तक भुगतान देने के लिए तैयार हैं। मित्रा ने बताया कि छोटे केंद्रों में सुरक्षा चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'छोटे शहरों में बड़े शहरों के मुकाबले कम अपराध होते हैं। इसीलिए इन शहरों में सोने के लिए लॉकरों की मांग उतनी नहीं बढ़ी है। यहां इनकी मांग में मामूली इजाफा हुआ है।'

अधिकारी ने बताया, 'ग्रामीण इलाकों के लोग सोने में कारोबार करना पसंद करते हैं। उनके लिए सोना और जमीन निवेश के पारंपरिक साधन हैं और वे कागजी योजनाओं के बजाय इन्हीं में निवेश करना पसंद करते हैं।' ऋद्धि सिद्धि बुलियन के पृथ्वीराज कोठारी कहते हैं कि बेहतर मॉनसून के कारण इस साल ग्रामीण इलाकों में सोने की खासी मांग रहेगी। कोठारी कहते हैं, 'दीवाली के बाद बाजार में नई फसल आने पर ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ेगी। लेकिन इसमें सोने के सिक्कों का हिस्सा मामूली है।'